Under CSR Support by
ipca | Foundation

missiongyan®
LET'S LEARN TOGETHER

कक्षा - 12

भूगोल

मानव भूगोल के मूल सिद्धान्त

अध्याय–5

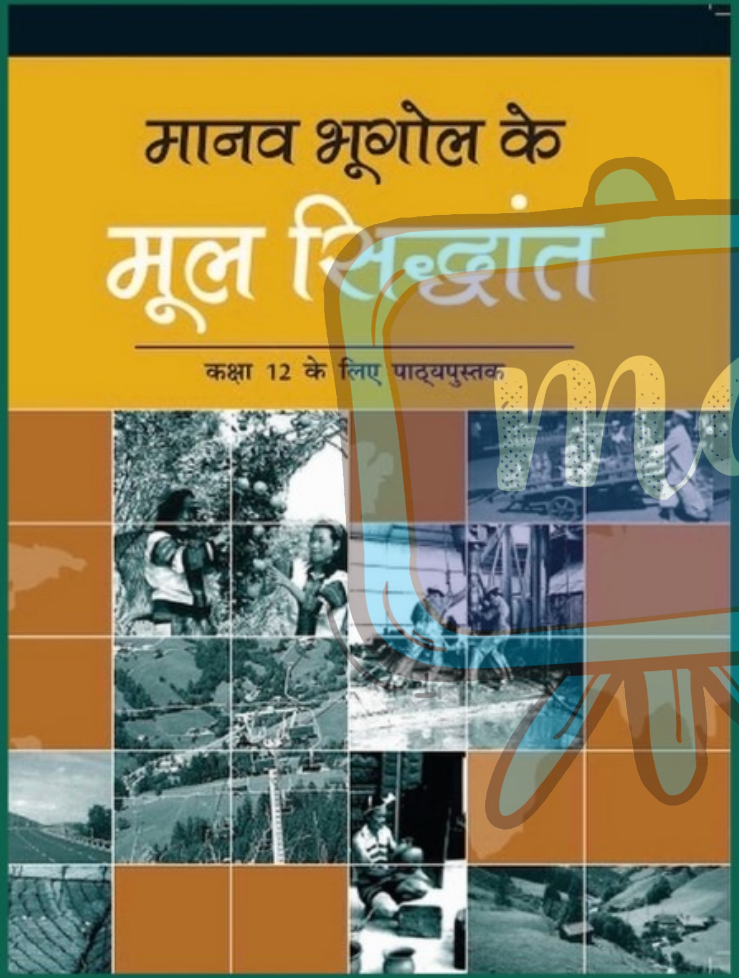
द्वितीयक क्रियाएँ

भाग - 3

पंकज वैष्णव

Under CSR Support by
ipca | Foundation

missiongyan®
LET'S LEARN TOGETHER



विषय सूची

आमुख v
पाठ्यपुस्तकों में पाठ्य सामग्री का पुनर्संयोजन vii

इकाई-1
अध्याय 1
मानव भूगोल
प्रकृति एवं विषय क्षेत्र 1–6

इकाई-2
अध्याय 2
विश्व जनसंख्या
वितरण, घनत्व और वृद्धि 7–12
अध्याय 3
मानव विकास 13–20

इकाई-3
अध्याय 4
प्राथमिक क्रियाएँ 21–34
अध्याय 5
द्वितीयक क्रियाएँ 35–43
अध्याय 6
तृतीयक और चतुर्थ क्रियाकलाप 44–52
अध्याय 7
परिवहन एवं संचार 53–69
अध्याय 8
अंतर्राष्ट्रीय व्यापार 70–77

परिशिष्ट 78–80
शब्दावली 81–84

© NCERT not to be republished

Under CSR Support by
ipca | Foundation

missiongyan®
LET'S LEARN TOGETHER

Q:- द्वितीयक क्रियाओं में मुख्य रूप से कौन-कौन से क्षेत्र आते है?

(a) विनिर्माण

(b) प्रसंस्करण

(c) निर्माण

(d) उपरोक्त सभी

Under CSR Support by
ipca | Foundation

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

Q:- उद्योगो की स्थिति को प्रभावित करने वाले कारक है :-

(a) कच्चे माल तक अभिगम्यता

(b) बाजार तक अभिगम्यता ✓

(c) सरकारी नीति ✓

(d) उपरोक्त सभी

Under CSR Support by
ipca | Foundation

missiongyan®
LET'S LEARN TOGETHER

प्र :- विनिर्माण- उद्योगों को आकार के आधार पर मुख्य रूप से कितने प्रकारों में बांटा जा सकता है?

(a) 2

(b) 3

(c) 4

(d) 5

Under CSR Support by
ipca | Foundation

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

Q:- आकार के आधार पर उद्योगों के निम्न में से कौन-कौन से प्रकार है?

(a) कुटीर उद्योग

(b) छोटे पैमाने के उद्योग

(c) बड़े पैमाने के उद्योग

(d) उपर्युक्त सभी

Under CSR Support by
ipca | Foundation

missiongyan®
LET'S LEARN TOGETHER

1. नीचे दिए गए चार विकल्पों में सही उत्तर को चुनिए :

(i) निम्न में से कौन-सा कथन असत्य है?

क. हुगली के सहारे जूट के कारखाने सस्ती जल यातायात की सुविधा के कारण स्थापित हुए।

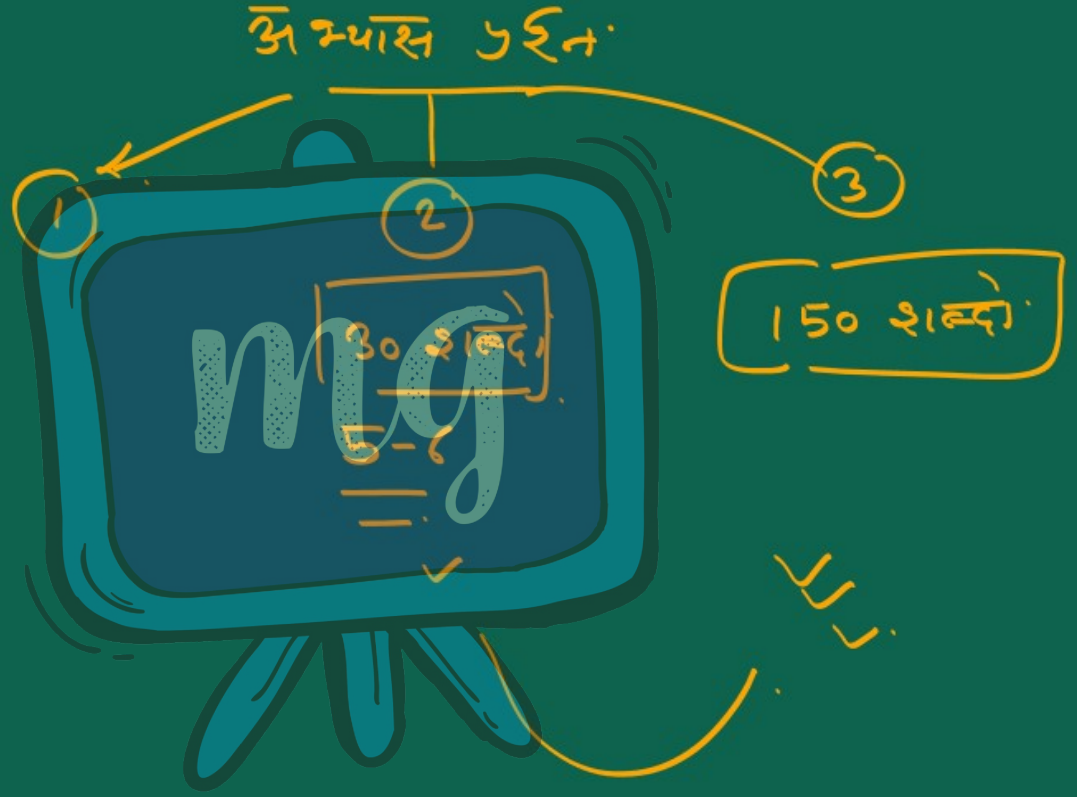
ख. चीनी, सूती वस्त्र एवं वनस्पति तेल उद्योग स्वच्छंद उद्योग है।

ग. खनिज तेल एवं जलविद्युत शक्ति के विकास ने उद्योगों की अवस्थिति कारक के रूप में कोयला शक्ति के महत्त्व को कम किया है।

घ. पत्तन नगरों ने भारत में उद्योगों को आकर्षित किया है।

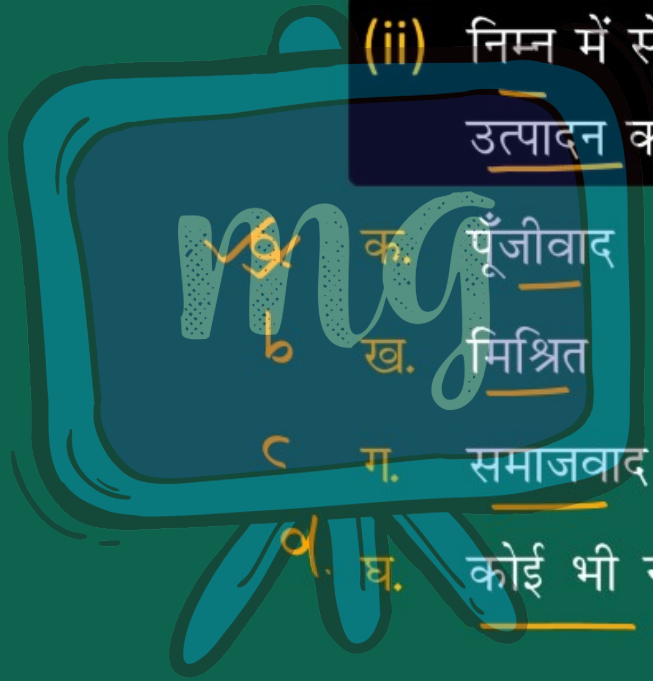
Under CSR Support by
ipca | Foundation

missiongyan®
LET'S LEARN TOGETHER



Under CSR Support by
ipca | Foundation

missiongyan®
LET'S LEARN TOGETHER



(ii) निम्न में से कौन-सी एक अर्थव्यवस्था में उत्पादन का स्वामित्व व्यक्तिगत होता है?

क. पूँजीवाद

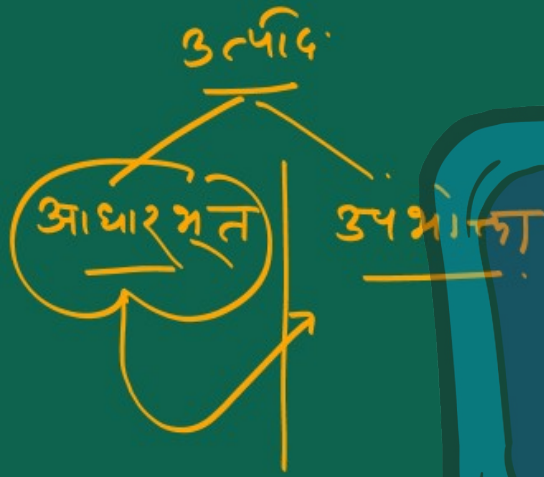
ख. मिश्रित

ग. समाजवाद

घ. कोई भी नहीं

Under CSR Support by
ipca | Foundation

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER



(iii) निम्न में से कौन-सा एक प्रकार का उद्योग अन्य उद्योगों के लिए कच्चे माल का उत्पादन करता है?

क. कुटीर उद्योग

ख. छोटे पैमाने के उद्योग

ग. आधारभूत उद्योग

घ. स्वच्छंद उद्योग

Under CSR Support by
ipca | Foundation

missiongyan®
LET'S LEARN TOGETHER

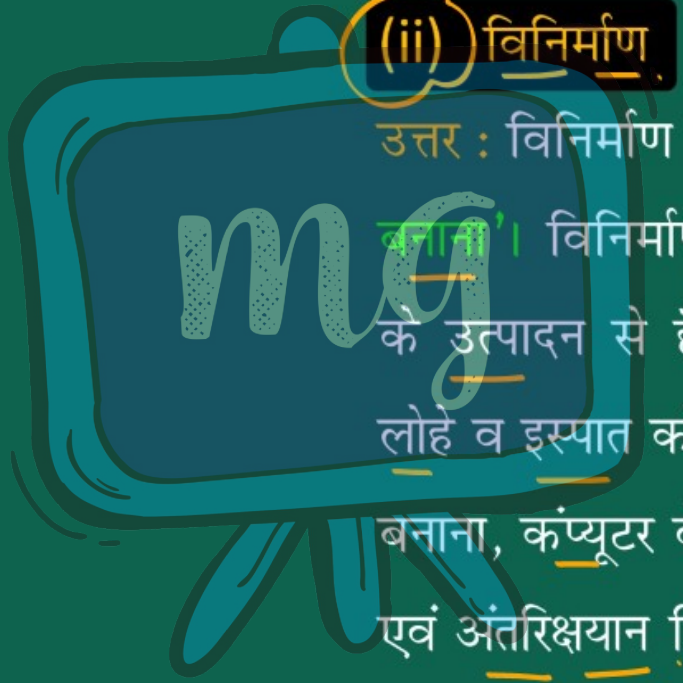
2. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर लगभग 30 शब्दों में दीजिए :

(i) उच्च प्रौद्योगिकी उद्योग

उत्तर : उच्च प्रौद्योगिकी उद्योग में उन्नत वैज्ञानिक एवं इंजीनियरिंग उत्पादों का निर्माण गहन शोध एवं विकास के प्रयोग द्वारा किया जाता है। इनमें यंत्र मानव, कम्प्यूटर आधारित डिजाइन तथा निर्माण, धातु पिघलाने एवं शोधन के इलैक्ट्रॉनिक नियंत्रण एवं नवीन रासायनिक व औषधीय उत्पाद प्रमुख स्थान रखते हैं।

Under CSR Support by
ipca | Foundation

missiongyan®
LET'S LEARN TOGETHER



(ii) विनिर्माण

उत्तर : विनिर्माण का शाब्दिक अर्थ है 'हाथ से बनाना'। विनिर्माण से आशय किसी भी वस्तु के उत्पादन से है। हस्तशिल्प कार्य से लेकर लोहे व इस्पात को गढ़ना, प्लास्टिक के खिलौने बनाना, कंप्यूटर के अति सूक्ष्म घटकों को जोड़ना एवं अंतरिक्षयान निर्माण इत्यादि सभी प्रकार के उत्पादन को विनिर्माण के अंतर्गत ही माना जाता है।

Under CSR Support by
ipca | Foundation

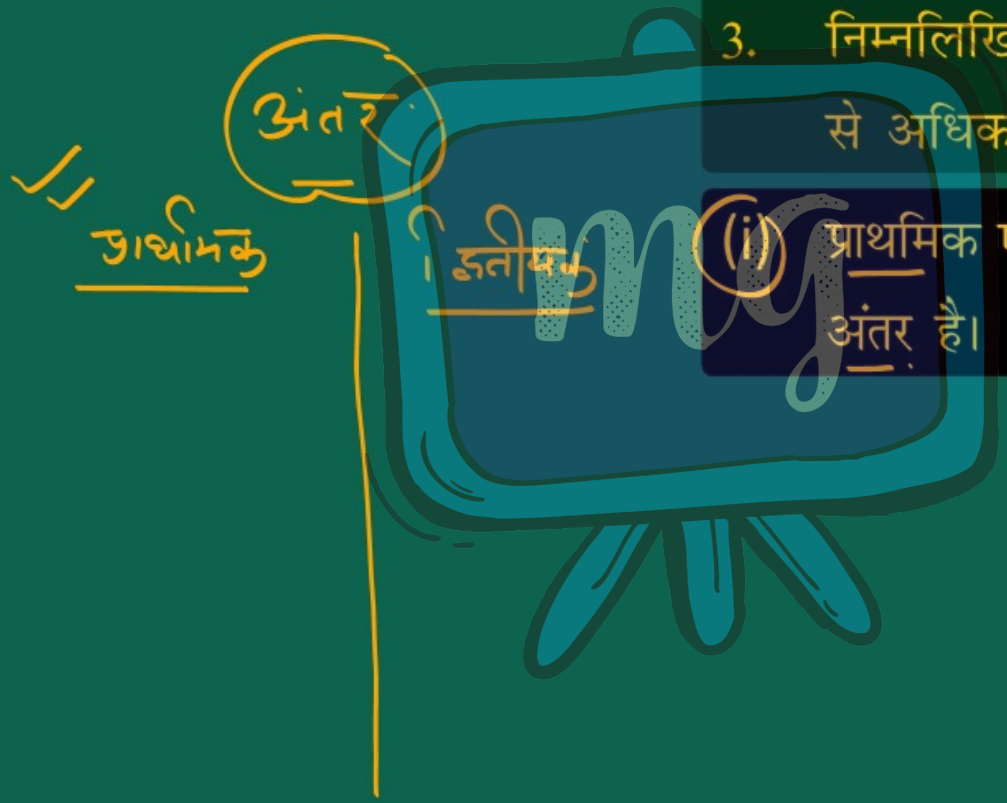
missiongyan®
LET'S LEARN TOGETHER

(iii) स्वच्छंद उद्योग

उत्तर : यह उद्योग व्यापक विविधता वाले स्थानों में स्थित होते हैं। यह किसी विशिष्ट कच्चे माल पर निर्भर नहीं रहते हैं, वरन् संघटक पुरजों पर निर्भर रहते हैं, जिन्हें कहीं से भी प्राप्त किया जा सकता है। इसमें उत्पादन कम मात्रा में होता है एवं श्रमिकों की भी कम आवश्यकता होती है। ये उद्योग प्रदूषण नहीं फैलाते। इनकी स्थापना में महत्त्वपूर्ण कारक सड़कों के जाल द्वारा अभिगम्यता होती है।

Under CSR Support by
ipca | Foundation

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER



3. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर 150 शब्दों से अधिक में न दें :

(i) प्राथमिक एवं द्वितीयक गतिविधियों में क्या अंतर है।

Under CSR Support by
ipca | Foundation

missiongyan®
LET'S LEARN TOGETHER

उत्तर :

क्र.स.	प्राथमिक गतिविधियाँ	द्वितीयक गतिविधियाँ
1.	प्राथमिक क्रियाकलाप प्राकृतिक पर्यावरण से प्राप्त संसाधनों से संबंधित होते हैं।	द्वितीयक क्रियाकलाप से तात्पर्य मनुष्य द्वारा कच्चे माल का रूप बदलकर उसे नवीन वस्तुओं में परिवर्तन करने से है।
2.	प्राथमिक क्रियाकलापों में धरातल से प्राप्त पदार्थ कच्चे माल के रूप में भोजन सामग्री बनाने, वस्त्र बनाने तथा अन्य उपयोगी सामान बनाने के लिए प्रयोग किए जाते हैं।	द्वितीय क्रियाकलापों के द्वारा उत्पादों की उपयोगिता में वृद्धि होने के साथ उनके मूल्य में भी वृद्धि होती है।

Under CSR Support by
ipca | Foundation

missiongyan®
LET'S LEARN TOGETHER

क्र.स.	प्राथमिक गतिविधियाँ	द्वितीयक गतिविधियाँ
3.	प्राथमिक क्रियाकलाप के उदाहरण : आखेट, संग्रहण, पशुचारण, खनन, मछली पकड़ना, लकड़ी काटना, कृषि आदि हैं।	द्वितीयक क्रियाकलाप के उदाहरण: विनिर्माण उद्योग, डेयरी उद्योग, कुटीर उद्योग आदि सभी क्रियाएँ हैं।
4.	प्राथमिक गतिविधियों के अन्तर्गत कच्चे माल की प्राप्ति मान शक्ति के द्वारा होती है तथा उसे सीधे ही उस रूप में उपयोग में लाया जाता है।	द्वितीयक गतिविधियों में कच्चे माल को परिष्कृत, संशोधित करने के लिये शक्ति का उपयोग किया जाता है।

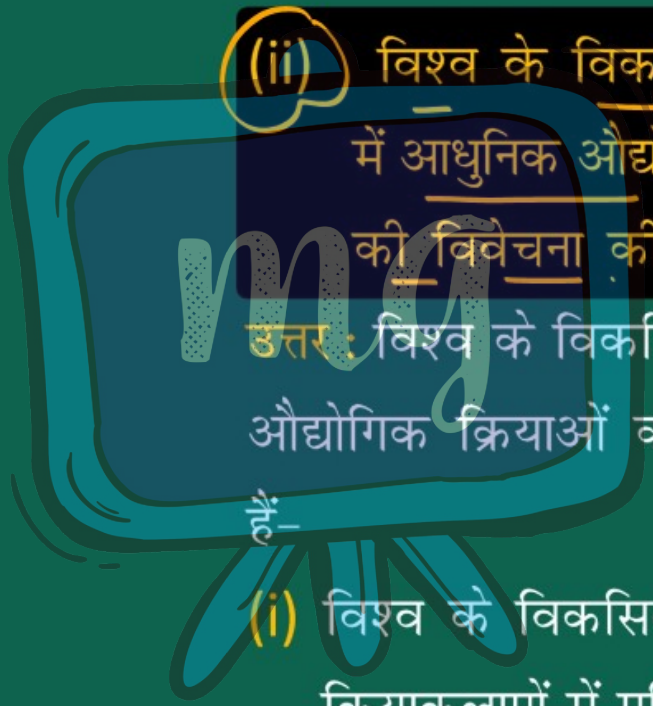
Under CSR Support by
ipca | Foundation

missiongyan®
LET'S LEARN TOGETHER

क्र.स.	प्राथमिक गतिविधियाँ	द्वितीयक गतिविधियाँ
5.	प्राथमिक गतिविधियाँ मानव व उसके परिवार तथा सहयोगी व्यक्तियों द्वारा सम्पन्न की जाती है। इसमें पूँजी की आवश्यकता नहीं होती है।	द्वितीयक गतिविधियों में अत्यधिक पूँजी व श्रमिकों की आवश्यकता की आवश्यकता होती है।
6.	प्राथमिक गतिविधियों के द्वारा उत्पादित की गई वस्तुओं का उपयोग अल्प समय के लिए ही किया जा सकता है। इनका उपयोग उसी क्षेत्र विशेष में किया जा सकता है।	द्वितीयक गतिविधियों के द्वारा उत्पादित वस्तुओं का उपयोग अधिक समय तक किया जा सकता है तथा इसका उपयोग दूसरे स्थानों पर भी किया जा सकता हैं।

Under CSR Support by
ipca | Foundation

missiongyan®
LET'S LEARN TOGETHER



(ii) विश्व के विकसित देशों के उद्योगों के संदर्भ में आधुनिक औद्योगिक क्रियाओं की मुख्य प्रवृतियों की विवेचना कीजिए।

उत्तर : विश्व के विकसित देशों के सन्दर्भ में आधुनिक औद्योगिक क्रियाओं की मुख्य प्रवृत्तियाँ निम्नलिखित हैं–

(i) विश्व के विकसित देशों में आधुनिक औद्योगिक क्रियाकलापों में परिवर्तनशील प्रवृत्तियों के अन्तर्गत उद्योगों की अवस्थिति के लिए उत्तरदायी कारकों के महत्त्व में लगातार कमी आती जा रही है।

Under CSR Support by
ipca | Foundation

missiongyan®
LET'S LEARN TOGETHER

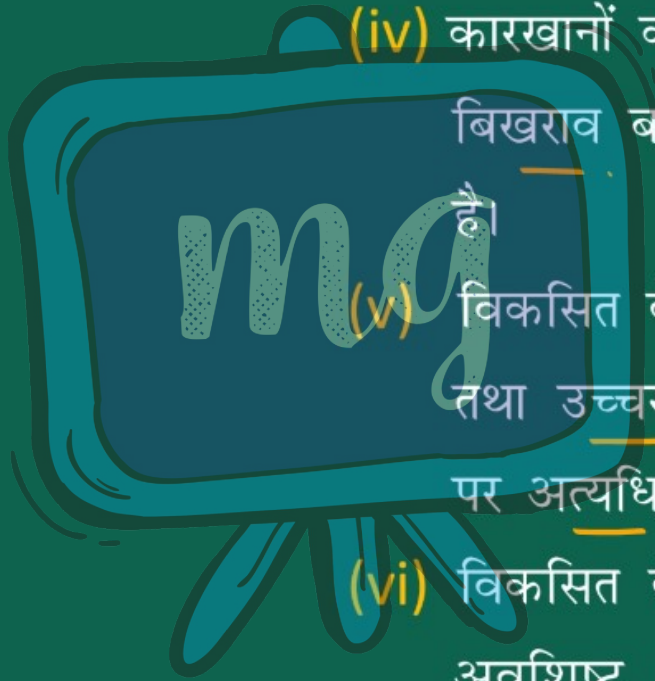


(ii) विकसित अर्थव्यवस्था वाले देशों में विकास तथा वैज्ञानिक तकनीक की उन्नति के परिणामस्वरूप उद्योगों की संरचना एवं स्वरूप में परिवर्तन आया है, जिससे निरुद्योगीकरण की प्रवृत्तियाँ उत्पन्न हो रही हैं।

(iii) आधुनिक औद्योगिक क्रियाकलापों में भी अनेक प्रकार के परिवर्तन हुए हैं। उद्योगों में उत्पादन के लिए उच्च तकनीक का प्रयोग किया जा रहा है।

Under CSR Support by
ipca | Foundation

missiongyan®
LET'S LEARN TOGETHER



(iv) कारखानों के स्थान पर छोटी इकाइयों का बिखराव बहुत बड़े क्षेत्रों में देखा जा रहा है।

(v) विकसित देशों में बड़े पैमाने पर उत्पादन तथा उच्चस्तरीय उत्पादन की विचारधारा पर अत्यधिक बल दिया जा रहा है।

(vi) विकसित देशों में औद्योगिक क्रियाओं में अवशिष्ट पदार्थों में कमी, पुनःचक्रण प्रतिस्थापन तथा विकल्पों का योगदान अधिक है।

Under CSR Support by
ipca | Foundation

missiongyan®
LET'S LEARN TOGETHER



(vii) विश्व के विकसित देशों में उच्च तकनीकी उद्योगों का विकास हो रहा है जबकि निम्न तकनीकी एवं श्रम-गहन उद्योग विकासशील देशों में विकसित हो रहे हैं।

(viii) विकसित देशों में स्थापित उद्योगों में डिजाइन तथा उत्पादन में बड़ी तीव्र गति से परिवर्तन हो रहे हैं।

Under CSR Support by
ipca | Foundation

missiongyan®
LET'S LEARN TOGETHER



(iii) अधिकतर देशों में उच्च प्रौद्योगिकी उद्योग प्रमुख महानगरों के परिधि क्षेत्रों में ही क्यों विकसित हो रहे हैं। व्याख्या कीजिए।

उत्तर : विश्व के अधिकतर देशों में उच्च प्रौद्योगिकी उद्योग प्रमुख महानगरों की परिधि क्षेत्रों में ही विकसित होने के प्रमुख कारण निम्नलिखित हैं-

(i) स्वच्छन्द उद्योग की प्रवृत्ति उद्देश्य आधारित में औद्योगिक क्षेत्र अथवा प्रौद्योगिकी पार्कों के रूप में कस्बों मे व नगरों की सीमाओं पर स्थापित होने की होती है।

Under CSR Support by
ipca | Foundation

missiongyan®
LET'S LEARN TOGETHER



(ii) बाह्य नगर परिधि पर प्रदूषण रहित पर्यावरण तथा हरित क्षेत्र का अतिरिक्त लाभ प्राप्त होता है।

(iii) निकटवर्ती आवासीय क्षेत्रों से प्रतिदिन आने-जाने वाले लोगों से श्रम की आपूर्ति हो जाती है जो कि सस्ता भी होता है।

(iv) इस क्षेत्र में स्थापित उद्योगों के लिए महानगरीय बाजार की सुलभ उपलब्धता बनी रहती है।

Under CSR Support by
ipca | Foundation

missiongyan®
LET'S LEARN TOGETHER



(v) नगरों तथा महानगरों के सीमान्त क्षेत्र में उपलब्ध विस्तृत भूमि पर एक- मंजिली कारखानों को स्थापित किया जा सकता है तथा भविष्य में इसके विस्तार के लिए स्थान प्राप्त हो सकता है।

(vi) नगरों की बाह्य सीमाओं पर भूमि का मूल्य कम होता है।

(vii) बाह्य परिधि क्षेत्रों में यातायात मार्गों का पर्याप्त विकास मिलता है।

Under CSR Support by
ipca | Foundation

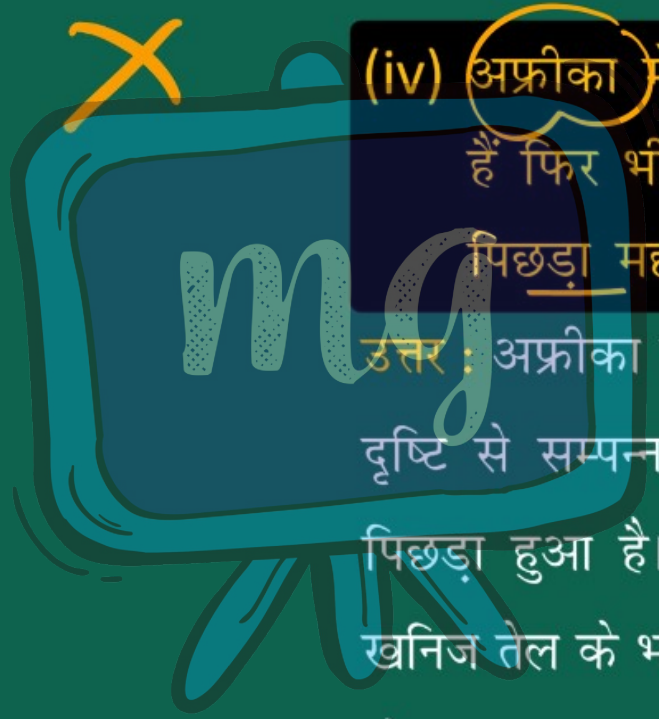
missiongyan®
LET'S LEARN TOGETHER



(viii) कभी-कभी सरकार द्वारा महानगर के सघन क्षेत्रों में उद्योगों की स्थापना पर प्रतिबन्ध लगा दिया जाता है तब महानगर के परिधि क्षेत्र उद्योगों की स्थापना के महत्त्वपूर्ण आकर्षक स्थल बन जाते हैं।

Under CSR Support by
ipca | Foundation

missiongyan®
LET'S LEARN TOGETHER



(iv) अफ्रीका में अपरिमित प्राकृतिक संसाधन हैं फिर भी औद्योगिक दृष्टि से यह बहुत पिछड़ा महाद्वीप है। समीक्षा कीजिए।

उत्तर : अफ्रीका महाद्वीप प्राकृतिक संसाधनों की दृष्टि से सम्पन्न है किन्तु औद्योगिक दृष्टि से पिछड़ा हुआ है। खनिज पदार्थों में लिबिया में खनिज तेल के भण्डार, जिम्बाब्वे में लौह-अयस्क के भण्डार, जायरे व जाम्बिया में तांबे के भण्डार हैं।